C-67

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी
Board of School Education Haryana, Bhiwani
(Established Under Haryana Board of School Education Act, 1969)

वंदे मातरम्

प्रेषक,

सचिव
हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड,
भिवानी।

प्रेषित,

प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या,
प्रदेश के सभी राजकीय व गैर–राजकीय विद्यालय।

क्रमांकः– 945 / शैक्षिक / A-7 दिनांकः– 03-11-26

विषयः–जीओ गीता संस्थान, कुरूक्षेत्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं के प्रचार–प्रसार एवं "एक मिनट– एक साथ–गीता पाठ" के आयोजन के संबंध में।

उपरोक्त विषय के संदर्भ में अवगत करवाया जाता है कि जीओ गीता अध्ययन एवं शोध केन्द्र, कुरूक्षेत्र द्वारा गीता जंयती के पावन अवसर पर विद्यार्थियों में नैतिक चेतना, चरित्र–निर्माण एवं श्रीमद्भगवद्गीता के संदेशों के प्रचार–प्रसार हेतु राष्ट्रीय स्तर पर भाषण एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त प्रतियोगिता हेतु प्रत्येक विद्यालय से भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता के लिए प्रत्येक आयु वर्ग में न्यूनतम 02–02 पात्र विद्यार्थी https://www.gieogita.org/education/gieo-gita-competition-2026 लिंक के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।

गीता जंयती के दिन (20 दिसंबंर, 2026) प्रातः 11:00 बजे सभी विद्यालयों में सामूहिक रूप से "एक मिनट– एक साथ–गीता पाठ"का आयोजन करवाया जाना है।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त जानकारी आप अपने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों तक पहुंचाने एवं गीता जंयती के अवसर पर दिनांक 20 दिसंबंर, 2026 को प्रातः 11:00 बजे अपने विद्यालय में सामूहिक रूप से "एक मिनट– एक साथ–गीता पाठ" का आयोजन करवाना सुनिश्चित करें।

संलग्न–यथोपरि।

3/11/2026
सहायक सचिव (शैक्षिक)
कृतेः सचिव

C-61

श्री कृष्ण कृपा

GLOBAL INSPIRATION & ENLIGHTENMENT ORGANIZATION OF BHAGVAD GITA

जीओ गीता

प्रतियोगिताएँ

(सूचना एवं नियमावली)



परम पूज्य गुरुदेव

C-60

जीओ गीता प्रतियोगिताएँ

ॐ

आयोजन का उद्देश्य

जीओ गीता द्वारा भगवद् गीता के शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुँचाने, नैतिक मूल्यों के संवर्धन तथा युवाओं में आत्मबोध एवं व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से वर्ष 2026 में दो प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी:

1 भाषण प्रतियोगिता	2 निबंध लेखन प्रतियोगिता

प्रतियोगिता स्तर

भाषण प्रतियोगिता निम्न तीन स्तरों पर आयोजित की जाएगी —

प्रथम स्तर, द्वितीय स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर

स्तर	प्रतियोगिता अवधि
प्रथम स्तर	सितम्बर – अक्टूबर 2026
द्वितीय स्तर	अक्टूबर – नवम्बर 2026
राष्ट्रीय स्तर	नवम्बर – दिसम्बर 2026

पुरस्कार राशि (प्रत्येक आयु वर्ग के लिए)

भाषण प्रतियोगिता

स्तर	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
प्रथम स्तर	₹2,100	₹1,100	₹500
द्वितीय स्तर	₹31,00	₹2,100	₹1,100
राष्ट्रीय स्तर			
प्रथम वर्ग	₹11,000	₹75,00	₹51,00
द्वितीय वर्ग	₹21,000	₹15,000	₹11,000

C-59

निबंध लेखन प्रतियोगिता — राष्ट्रीय स्तर

प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
प्रथम वर्ग ₹11,000	₹75,00	₹51,00
द्वितीय वर्ग ₹21,000	₹15,000	₹11,000

भाषण प्रतियोगिता के नियम

- भाषण प्रतियोगिता प्रथम और द्वितीय स्तर पर ऑनलाइन माध्यम (Online mode) में तथा राष्ट्रीय स्तर पर ऑफलाइन माध्यम (Offline mode) में आयोजित की जाएगी।
- प्रथम स्तर पर भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2026 है।
- प्रत्येक प्रतिभागी को 3 से 5 मिनट निर्धारित समय सीमा में भाषण देना होगा।
- भाषण याद किया हुआ हो, नोट्स के साथ न हो।
- भाषा शुद्ध, सरल एवं शालीन होनी चाहिए।
- भाषण हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में दिया जा सकता हैं।
- भाषण प्रतियोगिता के प्रत्येक स्तर पर दोनों निर्धारित आयु-वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे।
- प्रथम चरण में पंजीकृत प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर किया जाएगा। मूल्यांकन के उपरांत श्रेष्ठ एवं अनुशंसित प्रतिभागियों का चयन द्वितीय चरण के लिए किया जाएगा।

- प्रथम चरण के मूल्यांकन में उच्च रैंकिंग प्राप्त करने वाले प्रतिभागी प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय पुरस्कार के अधिकारी होंगे जिसका निर्णय केंद्रीय कार्यकारी समिति (Central Executive Committee) द्वारा मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा एवं परामर्श से किया जाएगा।
- भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्तर के विजेता ही द्वितीय स्तर में भाग लेने के पात्र होंगे।
- भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्तर के विजेता राष्ट्रीय स्तर में भाग लेंगे। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता गीता ज्ञान संस्थानम्, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में आयोजित की जाएगी।
- राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को दिसम्बर 2026 में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में सम्मानित किया जाएगा।
- राष्ट्रीय स्तर के के लिए आमंत्रित प्रतिभागियों का आने-जाने का यात्रा व्यय संस्थानम् द्वारा वहन किया जाएगा। यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति अधिकतम रेलवे 3rd AC (थर्ड एसी) के मान्य किराये तक की जाएगी। 18 वर्ष से कम आयु के प्रतिभागी एक अभिभावक को अपने संग लेकर आएंगे और उसका किराया भी संस्थानम् वहन करेगा
- आमंत्रित प्रतिभागियों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था भी संस्थानम् द्वारा की जाएगी।
- द्वितीय स्तर पर उत्तीर्ण कुल प्रतिभागियों में से कम से कम 75% प्रतिभागियों की उपस्थिति राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सुनिश्चित होने पर ही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की जाएगी।
- प्रतियोगिता के आयोजन, संचालन अथवा इसके नियमों में किसी भी स्तर पर संशोधन या परिवर्तन करने का अंतिम एवं सर्वाधिकार संस्थानम् के पास सुरक्षित रहेगा।

निबंध लेखन प्रतियोगिता के नियम

- निबंध हस्तलिखित, सरल, मौलिक एवं विषयानुकूल होना चाहिए।
- शब्द सीमा — 800 से 1000 शब्द।
- निबंध हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा में A4 पृष्ठ पर लिखा जा सकता है।
- निबंध लेखन प्रतियोगिता के राष्ट्रीय स्तर पर दोनों निर्धारित आयु-वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे।
- निबंध लेखन प्रतियोगिता के दो चरण होंगें।
- प्रथम चरण में प्रतिभागियों को अपना हस्तलिखित निबंध निर्धारित Google Form के माध्यम से 20 नवंबर 2026 तक अपलोड करना होगा। निबंध पूर्णतः मौलिक एवं प्रतिभागी द्वारा स्वयं लिखा हुआ होना चाहिए। निबंध तैयार करने में AI (Artificial Intelligence) द्वारा तैयार सामग्री का प्रयोग स्वीकार्य नहीं होगा।
- प्राप्त सभी प्रविष्टियों का मूल्यांकन विषय-विशेषज्ञों की समिति द्वारा किया जाएगा। साथ ही, निबंध की मौलिकता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार साहित्यिक चोरी (Plagiarism) की जाँच भी की जाएगी।
- प्रत्येक आयु-वर्ग में प्राप्त प्रविष्टियों में से विशेषज्ञ समिति द्वारा सर्वश्रेष्ठ और अनुशंसित निबंधों का चयन किया जाएगा। चयनित प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में भाग लेने हेतु गीता ज्ञान संस्थान, कुरुक्षेत्र आमंत्रित किया जाएगा।
- द्वितीय चरण में प्रतिभागियों को आयोजन स्थल पर एक निर्धारित विषय दिया जाएगा, जिस पर उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर निरीक्षक की उपस्थिति में निबंध लिखना होगा।
- इस चरण में लिखे गए निबंधों का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा। मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक आयु-वर्ग में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी निर्धारित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार राशि के पात्र होंगे।

- द्वितीय चरण के लिए आमंत्रित प्रतिभागियों का आने-जाने का यात्रा व्यय संस्थानम् द्वारा वहन किया जाएगा। यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति अधिकतम रेलवे 3rd AC (थर्ड एसी) के मान्य किराये तक की जाएगी।18 वर्ष से कम आयु के प्रतिभागी एक अभिभावक को अपने संग लेकर आएंगे और उसका किराया भी संस्थानम् वहन करेगा।
- आमंत्रित प्रतिभागियों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था भी संस्थानम् द्वारा की जाएगी।

आयु वर्ग

प्रतियोगिता	वर्ग	आयु सीमा
भाषण प्रतियोगिता	प्रथम वर्ग	18 वर्ष से कम
भाषण प्रतियोगिता	द्वितीय वर्ग	18 से 30 वर्ष तक
निबंध लेखन प्रतियोगिता	प्रथम वर्ग	15 से 30 वर्ष तक
निबंध लेखन प्रतियोगिता	द्वितीय वर्ग	30 वर्ष से अधिक

प्रतियोगिता 1 — भाषण प्रतियोगिता

मूल्यांकन आधार

- विषय-वस्तु
- प्रस्तुति शैली
- आत्मविश्वास
- समय प्रबंधन

C-55

प्रतियोगिता 2 — निबंध लेखन प्रतियोगिता

मूल्यांकन आधार

- विषय की समझ
- विचारों की स्पष्टता
- भाषा व प्रस्तुति
- मौलिकता

भाषण प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता के विषय

भाषण प्रतियोगिता — प्रथम वर्ग (18 वर्ष से कम)

शिष्यस्तेऽहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम् (अध्याय 2, श्लोक 7)

* सच्चा ज्ञान प्राप्त करने के लिए मन में विनम्रता और सीखने की जिज्ञासा
* अहंकार छोड़कर सही मार्गदर्शक और गुरु के प्रति सच्चा समर्पण
* सीखने की पवित्र भावना से अंतर्मन और व्यक्तित्व का सुधार
* संकोच और अज्ञान मिटाकर सही दिशा में आगे बढ़ने की तत्परता

कर्मण्येवाधिकारस्ते (अध्याय 2, श्लोक 47)

* कर्म को केवल अपना अधिकार और कर्तव्य मानकर चलना
* परिणाम और फल की चिंता से पूरी तरह मुक्त मन
* बिना स्वार्थ कर्तव्यनिष्ठा से कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव
* व्यर्थ के तनाव से दूर रहकर केवल अपने प्रयास पर ध्यान

श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम् (अध्याय 4, श्लोक 39)

* सच्ची श्रद्धा, विश्वास और निष्ठा के साथ विद्या की प्राप्ति
* संशय त्यागकर ज्ञान और मार्गदर्शक पर अडिग भरोसा
* समर्पण भाव से भीतर बढ़ता हुआ दृढ़ आत्मविश्वास
* सदाचार, संयम और सही आचरण की ओर निरंतर कदम

भाषण: द्वितीय वर्ग (18–30 वर्ष) | निबंध: प्रथम वर्ग (15–30 वर्ष)

बुद्धिनाशात्प्रणश्यति (अध्याय 2, श्लोक 63)

* अत्यधिक आसक्ति और अनियंत्रित इच्छाओं से उत्पन्न भटकाव
* क्रोध और भ्रम के कारण सही विवेक का क्षीण होना
* बुद्धि के नाश से जीवन और चरित्र के पतन का भय
* आत्मसंयम और संतुलित सोच से गलत निर्णयों से बचाव

योगः कर्मसु कौशलम् (अध्याय 2, श्लोक 50)

* प्रत्येक कार्य को पूरी कुशलता, सजगता और समर्पण के साथ करना
* औपचारिकता से हटकर कर्म में निरंतर उत्कृष्टता का भाव
* सही दृष्टिकोण अपनाकर अपने कार्य और जीवन को संवारना
* पूरी एकाग्रता और तन्मयता से किया जाने वाला उत्तम प्रयास

युक्ताहारविहारस्य (अध्याय 6, श्लोक 17)

* खान-पान और दैनिक जीवनशैली में आवश्यक संतुलन तथा संयम
* शुद्ध और सात्विक आहार के साथ नियमित दिनचर्या का पालन
* उचित विश्राम और अनुशासन से स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता में सुधार
* संयमित जीवन से शारीरिक और मानसिक दुखों का अंत

उद्धरेदात्मनात्मानम् (अध्याय 6, श्लोक 5)
* अपने उद्धार और प्रगति के लिए स्वयं निरंतर पुरुषार्थ
* सकारात्मक सोच, दृढ़ संकल्प और स्वयं पर अटूट विश्वास
* मन को मित्र बनाकर आत्मबल और आत्मसंयम की वृद्धि
* कठिनाइयों और निराशा से उबरकर अपने बल पर आगे बढ़ना

निबंध लेखन प्रतियोगिता — द्वितीय वर्ग (30 वर्ष से अधिक)

समत्वं योग उच्यते (अध्याय 2, श्लोक 48)
* सुख-दुःख और लाभ-हानि में मन का एक समान भाव
* सफलता में अहंकार से बचाव और विफलता में धैर्य
* हर परिस्थिति और उतार-चढ़ाव में मानसिक संतुलन
* विचलित हुए बिना कर्तव्य पथ पर स्थिर रहने का अभ्यास

क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यम् (अध्याय 2, श्लोक 3)
* मन की संकीर्ण दुर्बलता, कायरता और भय का पूर्ण त्याग
* निराशा और संकोच से ऊपर उठकर अपने कर्तव्य का पालन
* साहस, आत्मविश्वास और अडिग संकल्प के साथ चुनौतियों का सामना
* विपरीत परिस्थितियों में भी लक्ष्य के प्रति दृढ़ निष्ठा

मामनुस्मर युध्य च । (अध्याय 8, श्लोक 7)
* कर्म और संघर्ष करते हुए मन में निरंतर ईश्वर का स्मरण
* जीवन की हर कठिन परिस्थिति में आंतरिक शांति और एकाग्रता
* अपने धर्म और कर्तव्य पर अडिग रहने का सकारात्मक दृष्टिकोण
* आत्मिक बल के साथ जीवन-संग्राम में निरंतर आगे बढ़ना

करिष्ये वचनं तव (अध्याय 18, श्लोक 73)

* निजी अहंकार और संशय से ऊपर उठकर श्रेष्ठ मार्गदर्शन की स्वीकार्यता
* मोह और भ्रम को त्यागकर कर्तव्य के प्रति पूर्ण समर्पण
* विश्वास और निष्ठा से भरे निर्णयों में स्पष्टता
* शुद्ध आचरण और मन में असीम शांति व दिव्यता का संचार

सामान्य नियम एवं निर्देश

- प्रत्येक प्रतियोगी केवल अपने आयु वर्ग में ही भाग ले सकता है।
- प्रतियोगिता की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मौलिकता, विषय-वस्तु, भाषा-शैली, प्रस्तुतीकरण एवं निर्धारित नियमों के अनुपालन को मूल्यांकन में विशेष महत्व दिया जाएगा।
- प्रतियोगिता के आयोजन, संचालन अथवा इसके नियमों में किसी भी स्तर पर संशोधन या परिवर्तन करने का अंतिम एवं सर्वाधिकार संस्थानम् के पास सुरक्षित रहेगा।
- सभी प्रतिभागियों को ई सर्टिफिकेट प्रदान किये जायेगें ।
- अनुशासनहीनता की स्थिति में प्रतियोगी को अयोग्य घोषित किया जा सकता है।